आचार्य श्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूंगरगढ़

दूरभाष नं. 01565–224600, 224900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

सन्तोष, समता और समर्पण परम् सुख का मार्ग

श्रीडूँगरगढ़ 18 जनवरी, 2010 : तेरापंथ भवन के प्रज्ञा समवसरण में गीता और उतराध्ययन का तुलनात्मक विवेचन करते हुए युवाचार्य श्री महाश्रमण ने कहा इच्छा आकाश के समान होती है संतोष परम् सुख है साधु अनुकूलता और प्रतिकूलता में सम रहता है। निंदा और प्रशंसा में सम रहता है। संयम के प्रति प्रतिक्षण जागरूक रहे। जैन दर्शन में पंडित उसे कहा गया है जो व्रत, त्याग, और संयम में रमण करता है, उतराध्ययन के उपरोक्त सूत्रों के अनरूप ही गीता के बारहवें अध्याय में श्री कृष्ण ने उस भक्त को प्रियकर माना है जो संतोषशील होता है, समतायोगी होता है, समती होता है, दृढ़ निश्चय वाला होता है और अपनी बुद्धि को अपने में अर्पित करने वाला होता है।

उन्होंने कहा कि मजबूत संकल्प के बल पर बहुत कार्य किया जा सकता है, साध्वी अणिका श्री नौ साल की यात्रा सम्पन्न करके आयी हैं, संकल्प–बल पुष्ट था इसलिये यात्रा सफल एवं प्रभावकारी रही, तेरापंथ में समर्पण की परंपरा को देखा जा सकता है। गुरू के प्रति दर्शन करने के साथ ही निवेदन करती है, मैं हाजिर हूं। सहवर्तिनी साधु–साध्वियां गण की है। पुस्तक पन्ने संघ के हैं। आप जहां रखे वहां रहने को तत्पर हूं।

युवाचार्य प्रवर ने कहा कि भगवान और भक्त में तादातम्य हो जाने पर एकाकारता का अनुभव किया जा सकता है और श्रद्धा वह स्नेहिक तत्व है जो भक्त को भगवान से जोड़ देता है। साध्वी अणिमाश्री ने अपनी नौ वर्षों की यात्रा के अनुभव सुनाते हुये बताया कि अनेक स्थलों पर जैन–सम्प्रदाय के विभिन्न आचार्यों ने , मुनियों ने, वैदिक विद्वानों ने आचार्य महाप्रज्ञ के कतृत्व की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूंगरगढ़
दूरभाष नं. 01565–224600, 224900
ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

---

20 से प्रारंभ होने वाले महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

हजारों लोग सम्मलित होंगे मर्यादा महोत्सव में

आचार्य महाप्रज्ञ के 409 शि-य शि-याएं मौजूद रहेंगें

तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)

श्रीडूँगरगढ़ 18 जनवरी : तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु के द्वारा 250 वर्श पूर्व निर्मित्त मर्यादा पत्र के आधार पर मनाये जाने वाले मर्यादा महोत्सव का शुभारम्भ नवम् अधिशास्त्रा आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में 20 जनवरी को दोपहर 12:15 बजे श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम के विशाल मैदान में होगा। 20,21 व 22 जनवरी तक चलने वाले इस 146वें महोत्सव में आचार्य महाप्रज्ञ के 409 शिष्य-शिष्याएं मौजूद रहेंगे। आचार्य श्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति के द्वारा इस महोत्सव में सम्मलित होने के लिए देश-विदेश से आने वाले हजारों लोगों के बैठने हेतु विशाल पंडाल का निर्माण किया गया है। इस महोत्सव में 87 संघ ऐसे पहुंचने के समाचार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें 100 से ज्यादा व्यक्तियों का एक-एक संघ होगा। समिति एवं प्रशासन ने महोत्सव को सफल बनाने एवं समुचित व्यवस्था के लिए माकूल इंतजाम किये हैं। राजस्थान सरकार ने भी इस महोत्सव के लिए प्रशासन को विशेष हिदायत दी है।

आचार्यश्री के शिष्य मुनि जयंत कुमार ने बताया कि महोत्सव के लिए साधु-साध्वियों एवं समण-समणियों ने भी विशेष तैयारियां की है। मुमुक्षु वर्ग की विशेष प्रस्तुति देगा। उन्होनें बताया कि संपूर्ण संघ की व्यवस्थाओं की दृष्टि से आचार्यप्रवर, युवाचार्यप्रवर एवं साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी, मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभाजी अपना श्रम नियोजित कर रहे हैं।

मुनि जयंत के अनुसार इस महोत्सव के प्रथम दिन आचार्य महाप्रज्ञ मर्यादा पत्र की स्थापना के बाद वृद्ध साधु-साध्वियों के सेवा केन्द्र हेतु एक वर्ष के लिए शिष्य शिष्याओं की नियुक्ति करेंगे। दूसरे दिन आचार्य महाप्रज्ञ का पदारोहण समारोह आयोजित होगा। जिसमें बाल मुनियों की रोचक प्रस्तुतियों के साथ धर्मसंघ के द्वारा वर्धापना की जायेगी। तीसरें दिन आचार्य महाप्रज्ञ का संघ के नाम संदेश होगा और साधु-साध्वियों के चातुर्मासों की घोषणा की जायेगी। इसके साथ ही विराट हाजरी वाचन का कार्यक्रम होगा। जिसमें सभी शिष्य-शिष्याएं दीक्षा क्रम से पंक्तिबद्ध खड़े होंगे। आचार्य महाप्रज्ञ अपने द्वारा रचित

मर्यादा महोत्सव के विशेष गीत का संगान करायेंगे। इस महोत्सव के त्रिदिवसीय कार्यक्रम में आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण, साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा, मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा सहित अनेक साधु-साध्वियों के वक्तव्य होगें।

प्रवास व्यवस्था समिति के संरक्षक बनेचंद मालू के अनुसार इस महोत्सव की तैयारियों के रुप में संपूर्ण श्रावक समाज लगा हुआ है। कस्बे में जगह-जगह पर हॉल्डिंग, बैनर लगाये गये हैं और आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है। महोत्सव में सम्मिलित होने के लिए लोगों का जमावड़ा चालु हो गया है। इस महोत्सव से पूर्व 19 जनवरी को दोपहर 12.15 पर महासभा का अलंकरण सम्मान समारोह आयोजित है।

सादर प्रकाशनार्थ :

तुलसीराम चौरड़िया

मीडिया संयोजक/सह संयोजक